R.N.I. No. 51097/90 DN/XXX/2024-2026 Post AD No.8

सम्पूर्ण भारतीय रेल जगत का प्रथम पाक्षिक, प्रयागराज से प्रकाशित

रेल समाचार ब्यूरो

सन् 1990 से रेल सेवा में समर्पित

Celebrate Independence with Indian Railways-a journey of progress, pride, and patriotism

Indian Railways: Bridging the nation, echoing the spirit of independence in every journey

वर्ष–34 अंक–15 प्रयागराज रेल समाचार ब्यूरो 01–15 अगस्त 2024 पृष्ठ 08 मूल्य:20 रु. मात्र + डाक खर्च (रंगीन सहित)

RECORD ALLOCATION OF RS. 2,62,200 CRORE FOR FY 2024-25

RAILWAYS IN GENERAL BUDGET

Budget a continuation of economic policies focused on inclusive growth: Union Minister Shri Ashwini Vaishnaw

Source/RSB- Union Minister for Railways, Information and Broadcasting, and Electronics & IT, Shri Ashwini Vaishnaw, emphasized the resilience and strength of India's economy during his address following the presentation of the Union Budget 2024-25 by Finance Minister Smt. Nirmala Sitharaman. He praised the budget as a continuation of Prime Minister Shri Narendra Modi's economic policies focused on inclusive growth, combining welfare, fiscal prudence, capital investment, & manufacturing.

Record Budget Allocation for Railways

Shri Vaishnaw highlighted the government's commitment to making Indian Railways world-class, with a record capital expenditure (Capex) allocation of ₹2,62,200 crore for the financial year 2024-25. The Gross Budgetary Support for Railways stands at ₹2,52,200 crore, a significant increase from ₹2,40,-200 crore in 2023-24 & a stark contrast to the ₹ 28,174 crore allocated in 2013-14. This increased investment has driven remarkable progress in Indian Railways. Freight loading reached an all-time high of 1,588 million tonnes (MT) in FY 2023-24, up from 1,095 MT in 2014-15, with a target of 3,000 MT by 2030. Additionally, Railways achieved total receipts of ₹2,56,093 crore in 2023-24, generating a net revenue of ₹3,260 crore to further supplement Capex.

Infrastructure and Industrial Development

In the past decade, Indian Railways has commissioned 31,180 track kilometers, with the pace of track laying increasing from 4 km per day in 2014-15 to 14.54 km per day in 2023-24. The electrification of 41,655 route kilometers (RKMs) during 2014 2024, compared to 21,413 RKMs until 2014, underscores the Railways' focus on infrastructure improve-ment. The budget also allocates additional funds to support industrial development, particularly in the eastern region of India. Strategic nodes like Kopparthy on the Vishakhapatnam-Chennai Industrial Corridor, Orvakal on the Hyderabad-Bengaluru Industrial Corridor, and Gaya on the Amritsar-Kolkata Industrial Corridor will receive essential infra-structure to foster industrial growth.

New Approach to Infrastructure Development

Under the PM Gati Shakti Mission, Indian Railways has identified three Economic Railway Corridors-Energy, Mineral, and Cement-along with Port Connectivity and High Traffic Density corridors. These initiatives aim to enhance capacity, decongest high-density networks, reduce logistics costs, and improve passenger experience and safety. In a press conference, Shri Vaishnaw expressed gratitude to Prime Minister Modi and Finance Minister Sitharaman for the historic allocation, stating that significant funds have been ear-marked for safety-related activities. He noted that in the government's third term, Indian Railways continues to receive a substantial boost, paving the way for further modernization and growth.

Hon'ble Union Minister of State for Railways & Jal Shakti conducts a Review meeting with Railway Officials at Southern Railway HQRS

Source/SR- Shri V. Somanna, Hon'ble Union Minister of State for Railways and Jal Shakti, presided over a review meeting at Southern Railway Headquarters on 27th July 2024. The meeting was attended by Shri Kaushal Kishore, Additional General Manager, Southern Railway, and the Principal Heads of Departments of the zone along with Shri Viswanath B. Eerya, Divisional Railway Manager, Chennai. A presentation on the performance highlights of Southern Railway was given during the meeting, detailing various parameters. Speaking at the meeting, the Minister commended the performance of the Zone on various facets of working and advised corrective action wherever required. The Minister reviewed and deliberated on matters concerning safety, progress of infrastructural and station redevelopment projects under Amrit Bharat Scheme, speed enhancement works, timetabling of trains, maintenance of railway assets, and enhancement of freight loading. Later, he met with Railway Trade Union Representatives before leaving for inspection in Tiruchirappalli Division at Puducherry.

"Indian Railways: A symbol of freedom and unity, powering India's journey since independence"

श्री अश्विनी वैष्णव ने हर दिन लगभग 20,000 ट्रेनों के संचालन के लिए अथक परिश्रम करने वाले 12 लाख रेलवे कर्मचारियों के प्रति किया आभार व्यक्त

26,52,000 से भी अधिक अल्ट्रासोनिक परीक्षणों से रेल फ्रैक्चर में 85% की उल्लेखनीय कमी आई है, इस तरह की घटनाएं वर्ष 2013-14 के 2,500 से काफी घटकर वर्ष 2024 में सिर्फ 324 रह गईं

10 साल में 44,000 किमी के रेलवे विद्युतीकरण से 640 करोड़ लीटर डीजल की बचत हुई है और कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन में 400 करोड़ किलो की कमी आई है, जो कि 16 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है

सूत्र - रे.स.ब्यू- केंद्रीय रेल, सूचना व प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने संसद में वित्त वर्ष 2024-25 के लिए रेल मंत्रालय के नियंत्रण में अनुदान मांगों पर जवाब दिया है। उन्होंने अपने जवाबी संबोधन में रेलवे कर्मचारियों के समर्पण भाव, रेलवे की सुरक्षा में हुई प्रगति, और रेलवे के विद्युतीकरण में प्रगति पर फोकस करते हुए रेलवे की महत्वपूर्ण उपलब्धियों और भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। रेलवे कर्मचारियों की प्रशंसा- श्री वैष्णव ने अपने संबोधन की शुरुआत लगभग 12 लाख रेलवे कर्मचारियों के प्रति हार्दिक आभार व्यक्त करते हुए की जो प्रतिदिन लगभग 20,000 ट्रेनों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने के लिए दिन-रात अथक परिश्रम करते हैं। उन्होंने रेलवे को देश की जीवन रेखा बताया, जो कि एक ऐसा अहम संस्थान है जिस पर देश की अर्थव्यवस्था काफी हद तक निर्भर करती है। मंत्री महोदय ने संसद से रेलवे को राजनीतिकरण से मुक्त करने का आह्वान किया और इसके साथ ही राष्ट्र हित में इसमें निरंतर बेहतरी सुनिश्चित करने के लिए सहयोग के महत्व पर विशेष जोर दिया। उन्होंने पिछले दो दिनों में सरकार और विपक्षी सांसदों की ओर से कई रचनात्मक सुझाव मिलने पर भी प्रसन्नता व्यक्त की। उन्होंने रेलवे और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के सराहनीय प्रयासों की प्रशंसा के लिए सभी सदस्यों का धन्यवाद किया। रेलवे की सुरक्षा बढ़ाना- रेलवे की सुरक्षा का उल्लेख करते हुए श्री वैष्णव ने पिछले एक दशक में हुई व्यापक प्रगति पर प्रकाश डाला। किसी भी तरह की खामी का पता लगाने के लिए 26,52,000 से भी अधिक अल्ट्रा-सोनिक परीक्षण किए गए हैं, और सुरक्षा उपायों को बढ़ाने के लिए अनेक नई प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है। इससे रेल फ्रैक्चर में उल्लेखनीय कमी आई है। दरअसल, इस तरह की घटनाएं वर्ष 2013-14 के लगभग 2,500 से काफी घटकर वर्ष 2024 में केवल 324 रह गई हैं जो कि इनमें 85% की उल्लेखनीय कमी को दर्शाता है।उन्होंने हर साल दुर्घटनाओं की औसत संख्या में उल्लेखनीय कमी होने पर भी प्रकाश डाला, जो कि यूपीए के कार्यकाल के 171 की तुलना में वर्तमान सरकार के कार्यकाल में 68% घट गई है। हालांकि, उन्होंने रेलवे की सुरक्षा को और बेहतर बनाने की निरंतर प्रतिबद्धता पर विशेष जोर दिया। इसके अलावा, उन्होंने इस बात पर भी प्रकाश डाला कि अब स्टेशनों पर इलेक्ट्रॉनिक इंटरलॉकिंग के माध्यम से नियंत्रण है। जहां एक ओर वर्ष 2004 और वर्ष 2014 के बीच केवल 837 स्टेशनों पर ही यह प्रौद्योगिकी थी, वहीं दूसरी ओर इसके बाद अगले एक दशक में इसमें उल्लेखनीय व द्धि हुई। दरअसल, वर्ष 2014 से लेकर वर्ष 2024 तक 2,964 स्टेशनों को इस प्रौद्योगिकी से कवर किया गया है। रेलवे विद्युतीकरण में प्रगति रेलवे विद्युतीकरण का उल्लेख करते हुए श्री वैष्णव ने पिछले एक दशक में इस दिशा में हुई प्रभावशाली प्रगति के बारे में विस्तार से बताया। पिछले 10 वर्षों में कुल 44,000 किलोमीटर का विद्युतीकरण किया गया है, जबकि उससे पिछले 50 वर्षों में केवल 20,000 किलोमीटर का ही विद्युतीकरण किया गया था। इस विद्युतीकरण अभियान से व्यापक लाभ हुआ है, जिसमें 600 मिलियन टन अतिरिक्त कार्गो की ढुलाई, 640 करोड़ लीटर डीजल की बचत और कार्बन डाईऑक्साइड के उत्सर्जन में 400 करोड़ किलो की कमी होना शामिल हैं, जो कि 16 करोड़ पेड़ लगाने के बराबर है। ये समस्त उपलब्धियां भारतीय रेलवे के आधुनिकीकरण के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाती हैं जिससे रेल यात्रा अब कहीं अधिक सुरक्षित, अधिक सुविधाजनक, और पर्यावरण की दृष्टि से कहीं ज्यादा अनुकूल हो

कुंभ के लिए बड़ी संख्या में चलाई जाएंगी स्पेशल ट्रेन, मुख्यमंत्री कर रहे हैं समीक्षा, जनप्रतिनिधियों से लिया जाएगा फीडबैक : श्री अश्विनी वैष्णव

सूत्र - रे.स.ब्यू- उत्तर प्रदेश में पिछले १० सालों में 4900 किलोमीटर के रेलवे ट्रैक बनाए गए हैं जो कि पूरे स्विट्जरलैंड के रेलवे ट्रैक की लंबाई से अधिक हैं। केंद्रीय रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक और आईटी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव जी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान बताया कि उत्तर प्रदेश में रेलवे के विकास के लिए कुल 92000 करोड़ रुपए का निवेश किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यूपीए के कार्यकाल 2009 से 2014 में उत्तर प्रदेश में रेलवे के विकास के लिए 1109 करोड़ रुपए आवंटित किए गए थे जिसे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में बढ़ाकर 19 हजार 848 करोड़ रुपये कर दिया गया है, जो कि पिछली सरकार की तुलना में 18 गुना ज्यादा है। उत्तर प्रदेश में पिछले 10 सालों में 4900 किलोमीटर के रेलवे ट्रैक बनाए गए हैं जो कि पूरे स्विट्जरलैंड के रेलवे ट्रैक की लंबाई से अधिक है। उत्तर प्रदेश के सभी रेलवे ट्रैकों का 100% विद्युतीकरण हो चुका है। कुंभ सुगम रूप से चले और श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत न हो, इसके लिए 40 से भी अधिक प्रोजेक्ट्स को चिह्नित किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रयागराज के रेलवे स्टेशन का रीडेवलपमेंट कई फेस में होगा। कुंभ की तैयारियों की समीक्षा मुख्यमंत्री स्वयं कर रहे हैं, कहीं कोई कमी न रहे इसके लिए जनप्रतिनिधियों से फीडबैक लिया जा रहा है।

2019-20 से 2023-24 के दौरान भारतीय रेलवे के बेड़े में 6511 नए जनरल कोच जोड़े

भारतीय रेल द्वारा जनरल क्लास और स्लीपर क्लास कोच सहित 10,000 नॉन–एसी कोच के निर्माण की योजना बनाई गई है

सूत्र-रे.स.ब्यू- भारतीय रेल द्वारा अत्याधुनिक तकनीक से युक्त अमृत भारत सेवाएं शुरू की गई हैं जो झटकों से मुक्त यात्रा के लिए सेमी-परमानेंट कपलर, हॉरिजोंटल रूप से स्लाइड होती खिड़कियों, फोल्डेबल भोजन टेबल और बोतल होल्डर, मोबाइल होल्डर जैसी उन्नत सुविधाओं से लैस हैं। वर्तमान में भारतीय रेल के नेटवर्क में 4 अमृत भारत एक्सप्रेस सेवाएं-यानी 15557/58 दरभंगा-आनंद विहार (टी) एक्सप्रेस और 13433/13434 मालदा टाउन-एसएमवीटी बेंगलुरु एक्सप्रेस संचालित की जा रही हैं। इसके अलावा, अमृत भारत सेवाओं सहित ट्रेन सेवाओं का आरंभ भारतीय रेल में एक निरंतर प्रक्रिया का हिस्सा है जो यात्रियों की संख्या, परिचालन व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता के अधीन है। मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की संरचना के बारे में मौजूदा नीति में 22 कोचों की एक ट्रेन में 12 सामान्य और स्लीपर श्रेणी के गैर-एसी कोच और 08 एसी-कोच प्रदान हैं, जिससे सामान्य और गैर-एसी स्लीपर कोच का उपयोग करने वाले यात्रियों को अधिक सुविधा प्रदान होती है। वर्तमान में ट्रेन सेवाओं को चलाने के लिए उपयोग किए जा रहे कुल कोचों में से दो-तिहाई गैर-एसी हैं, और एक-तिहाई एसी वेरिएंट हैं। बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए भारतीय रेल ने सामान्य श्रेणी और स्लीपर श्रेणी के कोचों सहित 10,000 गैर-एसी कोच बनाने की योजना बनाई है।

स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली 'कवच' स्थापित

'कवच' पर अब तक 1216-77 करोड़ रुपये खर्च किया जा चुका है, वर्ष 2024-25 के लिए 1112-57 करोड़ रुपये आवंटित किये गये हैं

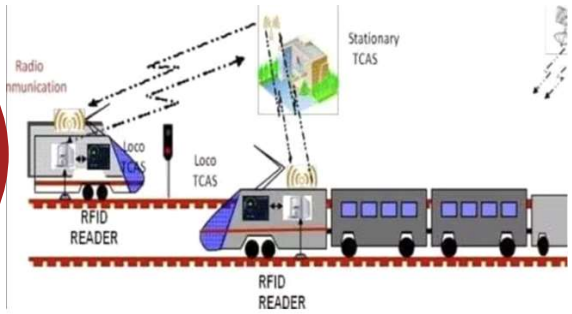

सूत्र-रे.स.ब्यू- दक्षिण मध्य रेलवे के 1465 किलोमीटर पर स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली 'कवच' स्थापित की गई है, इसे 144 ट्रेनों में यह सिस्टम लगाया गया है। स्वदेशी रूप से विकसित स्वचालित ट्रेन सुरक्षा (एटीपी) प्रणाली 'कवच' उच्चतम सुरक्षा प्रमाणन के साथ एक अत्यधिक उन्नत प्रौद्योगिकी आधारित प्रणाली है। ऐसे मामलों में जहां ट्रेन चला रहा लोको पायलट खुद ब्रेक लगाने में असमर्थ है, 'कवच' स्वचालित रूप से ब्रेक लगाने और ट्रेन को निर्धारित गति सीमा के भीतर चलाने में मदद करता है। इसके अलावा यह प्रणाली प्रतिकूल मौसम की स्थिति में ट्रेन को सुरक्षित रूप से चलाने में भी सहायक है।

स्वतंत्र सुरक्षा मूल्यांकनकर्ता 'कवच' को सुरक्षा के उच्चतम स्तर - एसआईएल 4 प्रमाणपत्र दिया गया है। यह प्रणाली विशेष गैर-एसआईएल सुविधाओं के माध्यम से ब्लॉक खंडों और पटरियों पर ट्रेनों के एक-दूसरे से टकराने की संभावना को कम करती है। इसके अलावा, अन्य देश भी 'कवच' को अपनाए जाने के इच्छुक हैं। कवच के कार्यान्वयन में कई गतिविधियों का कार्यान्वयन शामिल है, जैसे:

- प्रत्येक स्टेशन पर स्टेशन ''कवच'' की स्थापना।
- रेलवे पटरियों के किनारे आरएफआईडी टैग की स्थापना।
- पूरे अनुभाग में दूरसंचार टावरों की स्थापना।
- रेलवे ट्रैक के किनारे ऑप्टिकल फाइबर केबल बिछाना
- भारतीय रेलवे के प्रत्येक लोकोमोटिव पर कवच का प्रावधान।

कवच को अब तक दक्षिण मध्य रेलवे पर 1465 रूट किमी और 144 इंजनों (इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट रेक सहित) पर स्थापित किया गया है।

वर्तमान में, दिल्ली-मुंबई और दिल्ली-हावड़ा कॉरिडोर (लगभग 3000 रूट किमी) पर कवच से संबंधित मुख्य मदों की प्रगति निम्नानुसार है:

- 4275 किलोमीटर ऑप्टिकल फाइबर केबल का काम पूरा हो चुका है।
- 364 टेलीकॉम टावर स्थापित किए गए हैं।
- 285 स्टेशनों पर 'कवच' उपकरणों की स्थापना का प्रावधान।
- 319 कोचों में 'कवच' उपकरण लगाने का प्रावधान।
- रेलवे पटरियों के किनारे 'कवच' से संबंधित उपकरणों के 1384 रूट किलोमीटर पर इसकी स्थापना हो चुकी है।

इसके अलावा, अन्य 6000 रूट किमी के विस्त त अनुमान के साथ भारतीय रेलवे की विस्त त परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) को मंजूरी दे दी गई है। दक्षता बढ़ाने और कार्यक्षमता को व्यापक बनाने के लिए अधिक ओईएम द्वारा प्रयोग विभिन्न चरणों में हैं। कवच 4.0 अनुसंधान डिजाइन और मानक संगठन (आरडीएसओ) ने 16.07.2024 को 'कवच 4.0' की विशेष विशिष्टताओं को मंजूरी दी थी। इस संस्करण में विभिन्न रेलवे नेटवर्क के लिए आवश्यक सभी प्रमुख विशेषताएं शामिल हैं। यह भारतीय रेलवे की सुरक्षा में एक बड़ा मील का पत्थर है। बहुत ही कम समय में, भारतीय रेलवे ने एक स्वचालित ट्रेन सुरक्षा प्रणाली विकसित करना शुरू कर दिया है, परीक्षण पूरा कर लिया है और सिस्टम को एक लक्षित क्षेत्र में तैनात कर दिया है। 'कवच' से संबंधित कार्यों के लिए अब तक उपयोग की गई धनराशि 1216.77 करोड़ रुपये है। वर्ष 2024-25 के लिए आवंटित धनराशि 1112.57 करोड़ रुपये है। 'कवच' के लिए स्वीक त धनराशि का उपयोग केवल 'कवच' के लिए किया जा रहा है।

2024-25 में भारतीय रेल में नई लाइन, गेज परिवर्तन और दोहरीकरण परियोजनाओं के लिए 68,634 करोड़ रु. का औसत वार्षिक बजट आवंटन

2014 से 2024 तक भारतीय रेल द्वारा 31,180 किलोमीटर का उल्लेखनीय विस्तार हासिल किया गया, जिसमें नई लाइनों, गेज परिवर्तन और दोहरीकरण खंडों के लिए प्रतिदिन 8.54 किलोमीटर की औसत कमीशनिंग दर है।

सूत्र-रे.स.ब्यू- रेलवे परियोजनाओं का सर्वेक्षण/ स्वीक ति/निष्पादन क्षेत्रीय रेलवे-वार किया जाता है, न कि राज्य/क्षेत्र- वार/जिलावार, क्योंकि रेलवे परियोजनाएं राज्य की सीमाओं में फेली हो सकती हैं। इसके अलावा, रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं को पारिश्रमिक,अंतिम मील कनेक्टिविटी, मिसिंग लिंक और वैकल्पिक मार्गों, भीड़भाड़/ संपूर्ण लाइनों के विस्तार, सामाजिक-आर्थिक अवधारणाओं आदि के आधार पर लिया जाता है, जो मौजूदा परियोजनाओं की देनदारियों, धन की समग्र उपलब्धता और प्रतिस्पर्धी मांगों पर निर्भर करता है। वर्तमान में,651 पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान (एनएमपी) के तहत भारतीय रेल पर विभिन्न आर्थिक क्षेत्रों में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए कुल 49,983 किलोमीटर लंबाई वाले सर्वेक्षण (नई लाइन, गेज परिवर्तन और दोहरीकरण) किए गए हैं, जिसका उद्देश्य एकीक त योजना बनाना, लॉजिस्टिक दक्षता में व द्धि करना और औद्योगिक समूहों, बंदरगाहों, खदानों, बिजली संयंत्रों, पर्यटन और सांस्क तिक स्थानों, क षि क्षेत्रों आदि से कनेक्टिविटी सहित लोगों, वस्तुओं और सेवाओं की निर्बाध आवाजाही के लिए अंतराल को दूर करना है। 01.04.2024 तक, भारतीय रेल में, कुल 44,488 किलोमीटर लंबाई की 488 रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाएं (187 नई लाइन,40 गेज परिवर्तन और 261 दोहरीकरण), जिनकी लागत लगभग 7.44 लाख करोड़ रु. है, योजना/ अनुमोदन/ निर्माण चरण में हैं, जिनमें से 12,045 किलोमीटर लंबाई चालू हो गई है और मार्च, 2024 तक लगभग 2.92 लाख करोड़ रु. का व्यय हो चुका है। लागत, व्यय और परिव्यय सहित सभी रेलवे परियोजनाओं का क्षेत्रवार और वर्षवार विवरण भारतीय रेल की वेबसाइट पर सार्वजनिक डोमेन में उपलब्ध कराया गया है।

प्रयागराज छिवकी में यात्रियों को नए वर्ष से मिलेगी स्लीपिंग पॉड/ डॉरमेट्री एवं एग्जीक्यूटिव लाउंज की सुविधा।

सूत्र/रे.स.ब्यू- मण्डल रेल प्रबन्धक/ प्रयागराज, श्री हिमांशु बडोनी जी के नेतृत्व में प्रयागराज मण्डल में यात्री सुविधाओं का कायाकल्प किया जा रहा है। प्रयागराज मण्डल के प्रमुख स्टेशनों पर रेल कोच रेस्टोरेन्ट, वेटिंग हॉल, स्मार्ट पार्किंग, स्लीपिंग पॉड, डॉर्मिटरी, एग्जीक्यूटिव लाउंज जैसी यात्री सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। स्टेशन पर सभी श्रेणी के यात्रियों को उच्च कोटि की सुविधाओं को क्रमबद्ध तरीके से धरातल पर उतारा जा रहा है। वरिष्ठ मण्डल वाणिज्य प्रबन्धक/ कोचिंग, श्री हिमांशु शुक्ला के निर्देशन में प्रयागराज मण्डल के प्रमुख स्टेशनों पर विश्व स्तरीय यात्री सुविधाओं के विस्तार के क्रम में 12 जुलाई 2024 को ई-आक्शन के माध्यम से मण्डल के प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर बीओटी मॉडल (बिल्ड ऑपरेट मेंटेन एंड ट्रांसफर) पर स्लीपिंग पॉड/डॉरमेट्री एवं एग्जीक्यूटिव लाउंज के निर्माण, रखरखाव एवं संचालन हेतु निविदा फाइनल की गयी है । लाइसेन्सी, अपनी लागत पर लगभग 100 वर्गमीटर में विश्व स्तरीय, हवाई अड्डे के मानक वाला यह स्लीपिंग पॉड/ डॉरमेट्री एवं एग्जीक्यूटिव लाउंज विकसित कर रख रखाव करेगा। इससे रेलवे को प्रतिवर्ष कुल 8.96 लाख रुपये की आय अर्जित होगी और 15 वर्ष में कुल 2.38 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त होगा । 15 वर्ष की अवधि पूर्ण होने पर लाइसेन्सी द्वारा निर्मित एग्जीक्यूटिव लाउंज रेलवे को हस्तांतरित हो जाएगा। विश्व स्तरीय सुविधा वाला बीओटी मॉडल पर आधारित प्रयागराज छिवकी का एग्जीक्यूटिव लाउंज प्रयागराज मण्डल का पहला रेलवे स्टेशन होगा। प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन से प्रतिदिन औसतन 50 यात्री गाड़ियों का संचालन होता है । इस वर्ष के अंत तक लाइसेन्सी द्वारा स्लीपिंग पॉड/ डॉरमेट्री एवं एग्जीक्यूटिव लाउंज का निर्माण कर लिया जाएगा और जनवरी 2025 से यात्रियों के लिए यह सुविधा शुरू कर दी जाएगी । प्रयागराज छिवकी रेलवे स्टेशन पर आने वाले यात्री बाजार दरों पर स्लीपिंग पॉड व एग्जीक्यूटिव लाउंज में ठहरने एवं उच्च स्तरीय खाने की सुविधा का आनंद ले सकेंगे। स्लीपिंग पॉड/ डॉरमेट्री एवं एग्जीक्यूटिव लाउंज में निर्धारित दरों पर पीएडी आइटम, नाश्ता/भोजन, पानी की बोतल, चाय और कॉफी, समाचार पत्र, पत्रिकाएं, किताबें, प्रसाधन सामग्री और ओटीसी दवाएं मिल सकेंगी।

2023 में 527 होली स्पेशल, 6369 ग्रीष्मकालीन स्पेशल और 4480 छठ/दिवाली स्पेशल ट्रेनें चलाई गईं

सूत्र-रे.स.ब्यू- कोविड-19 महामारी के कारण वर्ष 2019 से 2024 तक यात्री यातायात में बहुत अधिक अंतर रहा। हालाँकि, भारतीय रेलवे (आईआर), विभिन्न प्रकार की नियमित समय-सारिणी वाली ट्रेनें चलाता है, जैसे उपनगरीय, छोटी दूरी की यात्री ट्रेनें, लंबी दूरी की/मेल एक्सप्रेस/सुपरफास्ट ट्रेनें, जो यात्रियों के विभिन्न वर्गों के लिए अलग-अलग संरचना के साथ संचालित होती हैं। मेल/एक्सप्रेस ट्रेनों की संरचना के बारे में मौजूदा नीति के अनुसार, 22 कोच वाली ट्रेन में 12 (बारह) सामान्य श्रेणी और स्लीपर श्रेणी के गैर-एसी कोच और 08 (आठ) एसी कोच की व्यवस्था है, जिससे सामान्य और गैर-एसी स्लीपर कोच का उपयोग करने वाले यात्रियों के लिए अधिक सुविधा उपलब्ध होती है। वर्तमान में ट्रेन सेवाओं के संचालन के लिए उपयोग किए जा रहे कुल कोचों में से दो-तिहाई गैर-एसी और एक-तिहाई एसी प्रकार के हैं। इसके अतिरिक्त, भारतीय रेलवे ने अम त भारत सेवाओं का संचालन भी शुरू किया है जो पूरी तरह से गैर-एसी ट्रेनें हैं जो यात्रियों को उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करती हैं। इसके अलावा, भारतीय रेलवे त्योहारों, छुट्टियों आदि के दौरान विशेष ट्रेनें चलाकर यात्रियों को अतिरिक्त सुविधा प्रदान करने का निरंतर प्रयास करता है। 2023 के दौरान, 527 होली स्पेशल, 6369 ग्रीष्मकालीन स्पेशल और 4480 छठ/दिवाली स्पेशल चलाई गई। इसके अलावा, अतिरिक्त मांग को पूरा करने के लिए, स्थायी और अस्थायी दोनों आधार पर ट्रेनों की संख्या में व द्धि की जाती है। ये भारतीय रेलवे की लगातार आगे बढ़ने की प्रक्रिया है। इसके अलावा, बढ़ती मांग को ध्यान में रखते हुए, भारतीय रेलवे ने जनरल क्लास और स्लीपर क्लास कोच सहित 10,000 नॉन-एसी कोच बनाने की योजना बनाई है।

मुंबई–अहमदाबाद हाई स्पीड रेल परियोजना के लिए 1389.5 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित

अब तक, 350 किलोमीटर पियर फाउंडेशन, 316 किलोमीटर पियर निर्माण, 221 किलोमीटर गर्डर कास्टिंग और 190 किलोमीटर गर्डर लॉन्चिंग का काम पूरा

सूत्र-रे.स.ब्यू- मुंबई-अहमदाबाद हाई स्पीड रेल (एमएएचएसआर) परियोजना का निर्माण कार्य चल रहा है और यह गुजरात, महाराष्ट्र और केंद्रशासित प्रदेश दादरा और नगर हवेली से होकर गुजरेगी। परियोजना की लंबाई 508 किलोमीटर है और इसमें मुंबई, ठाणे, विरार, बोइसर, वापी, बिलिमोरा, सूरत, भरूच, वडोदरा, आनंद, अहमदाबाद और साबरमती में 12 स्टेशन बनाने की योजना है। परियोजना की स्वीक त लागत 1,08,000 करोड़ रुपये है। परियोजना के लिए पूरी भूमि (1389.5 हेक्टेयर) अधिग्रहित की गई है। अब तक 350 किलोमीटर पियर फाउंडेशन, 316 किलोमीटर पियर निर्माण, 221 किलोमीटर गर्डर कास्टिंग और 190 किलोमीटर गर्डर लॉन्चिंग का काम पूरा हो चुका है। समुद्र में जलस्तर से नीचे टनल (लगभग 21 किलोमीटर) का काम भी शुरू हो चुका है। बुलेट ट्रेन परियोजना एक बहुत ही जटिल और प्रौद्योगिकी गहन परियोजना है। उच्चतम स्तर की सुरक्षा और संबंधित रखरखाव प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए, बुलेट ट्रेन परियोजना को जापानी रेलवे के सहयोग से डिजाइन किया गया है। इसे भारतीय आवश्यकताओं और जलवायु परिस्थितियों के लिए अनुकूलित किया गया है। सिविल स्ट्रक्चर, ट्रैक, इलेक्ट्रिकल, सिग्नलिंग और दूरसंचार और ट्रेनसेट की आपूर्ति के सभी संबंधित कार्यों के पूरा होने के बाद परियोजना के पूरा होने की समयसीमा का उचित रूप से पता लगाया जा सकता है।

भारतीय रेलवे द्वारा मानसून के दौरान सिग्नल प्रणाली के समुचित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न उपाय किए गए

सूत्र-रे.स.ब्यू-भारतीय रेलवे के पास रेलवे पुलों और पटरियों के निरीक्षण की एक स्थापित प्रणाली है। रेलवे ट्रैक का निरीक्षण नामित अधिकारियों द्वारा विनिर्दिष्ट अंतराल पर किया जाता है। नियमित रखरखाव के लिए निर्धारित कार्यक्रम के अलावा मानसून के दौरान सिग्नल प्रणाली के समुचित संचालन को सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित उपाय किए जाते हैं:-

- यार्ड की नालियों की सफाई करके यार्ड में जल निकासी प्रणाली में सुधार किया जाता है
- ट्रैक सर्किट की विफलता के लिए पहचाने गए संवेदनशील स्थानों पर पहले से ही ध्यान दिया जाता है।
- रेलपथ (ट्रैक) एवं सिग्नलिंग अधिकारियों द्वारा प्वाइंटों एवं ट्रैक सर्किटों का संयुक्त निरीक्षण किया जाता है तथा सुधारात्मक उपाय किए जाते हैं।
- जलभराव के लिए संवेदनशील चिन्हित किए गए क्षेत्रों में एक्सल काउंटर की व्यवस्था की गई है।

मानसून के दौरान चिन्हित खंडों पर मानसून पेट्रोलिंग की शुरुआत, संवेदनशील स्थानों पर चौकीदारों की तैनाती, भारी बारिश की स्थिति में ट्रैक पर विशेष पेट्रोलिंग जैसी विशेष सावधानियां बरती जाती हैं। मौसम की अद्यतन जानकारी के लिए संबंधित क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केंद्रों और जलाशयों/बांधों से अतिरिक्त पानी छोड़े जाने के बारे में जानकारी प्राप्त करने हेतु जिला प्राधिकारियों के साथ समन्वय किया जाता है। यह जानकारी रेल, सूचना एवं प्रसारण तथा इलेक्ट्रॉनिक एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव ने 24 जुलाई 2024 को लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में दी।

भारतीय रेलवे ने रथ यात्रा 2024 के दौरान भारी संख्या में तीर्थयात्रियों की आमद का सफलतापूर्वक प्रबंधन किया।

सूत्र-रे.स.ब्यू- भारतीय रेलवे ने शुभ रथ यात्रा अवधि के दौरान पुरी से 15 लाख से अधिक यात्रियों के सफल प्रबंधन और परिवहन की व्यवस्था की। व्यापक तैयारियों और अभिनव उपायों के साथ, भारतीय रेलवे ने उत्सव में भाग लेने वाले भक्तों के लिए एक सुगम और आरामदायक यात्रा सुनिश्चित की।

रथ यात्रा व्यवस्थाओं की मुख्य विशेषताएँ:

- भारी यात्री आवागमनः भारतीय रेलवे ने 15 लाख यात्रियों को कुशलतापूर्वक ले जाया, जिससे यह सुनिश्चित हुआ कि वे रथ यात्रा अवधि के दौरान सुरक्षित और आराम से अपने गंतव्य तक पहुँचें।
- तीर्थयात्री शेड और मेला शेडः एक बार में 15,000 तीर्थयात्रियों/भक्तों को समायोजित करने के लिए, पुरी रेलवे स्टेशन पर अस्थायी और स्थायी मेला शेड बनाए गए, जिनमें विश्राम, शौचालय और स्नान की सुविधा प्रदान की गई।
- ओडिशा भर में कनेक्टिविटीः ओडिशा के 25 जिलों को पुरी से जोड़ने वाली विशेष ट्रेनें चलाई गईं, जिससे भक्तों के लिए आसान पहुँच की सुविधा मिली।
- क त्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डायनेमिक शेड्यूलिंगः क त्रिम बुद्धिमत्ता आधारित डायनेमिक शेड्यूलिंग सिस्टम का उपयोग करके विशेष ट्रेनें चलाई गईं, जिससे भारतीय रेलवे को उच्च-मांग वाले गंतव्यों के लिए तुरंत अतिरिक्त ट्रेनें उपलब्ध कराने में मदद मिली।
- विशेष ट्रेनेंः त्योहार के दौरान कुशल परिवहन सुनिश्चित करने के लिए तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए 315 से अधिक विशेष ट्रेनें चलाई गईं।
- पड़ोसी राज्यों से संपर्कः आंध्र प्रदेश में विशाखापत्तनम और पलासा, छत्तीसगढ़ में जगदलपुर और रायपुर, और पश्चिम बंगाल में हावड़ा/सियालदह और मालदा टाउन सहित पड़ोसी राज्यों को रथ यात्रा के लिए पुरी से जोड़ने वाली विशेष ट्रेनें।

महोत्सव के दौरान किए गए उपायः

- भीड़ प्रबंधनः पुरी रेलवे स्टेशन पर भीड़ को प्रबंधित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल (आर.पी.एफ.) के जवानों को तैनात किया गया था।
- नियंत्रण कक्षः यात्रियों की समस्याओं को दूर करने और सुचारू ट्रेन संचालन सुनिश्चित करने के लिए चौबीसों घंटे नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया था।
- घोषणाएँः पुरी और ईस्ट कोस्ट रेलवे (ई.को.आर.) के अन्य स्टेशनों पर प्रभावी घोषणाएँ की गईं।
- ट्रेन सूचना प्रणाली/पूछताछ काउंटरः पुरी रेलवे स्टेशन पर सार्वजनिक घोषणा प्रणाली लगाई गई, जिसमें रणनीतिक रूप से स्थाई पूछताछ काउंटर और ट्रेन के आगमन और प्रस्थान की जानकारी प्रदर्शित करने वाली बड़ी वीडियो वॉल शामिल थीं।
- सुगम टिकट वितरणः अतिरिक्त टिकट बुकिंग काउंटर, स्वचालित टिकट विक्रय मशीन काउंटर और मोबाइल टिकट काउंटर उपलब्ध कराए गए। रथ यात्रा सुविधाओं से संबंधित जानकारी के लिए यू.टी.एस. ऑन मोबाइल ऐप और ई.को.आर. यात्रा ऐप लॉन्च किए गए।
- सुरक्षा और संरक्षाः सी.सी.टी.वी. निगरानी, आर.पी.एफ., जी.आर.पी. और खोजी कुत्तों की तैनाती सहित व्यापक सुरक्षा उपाय लागू किए गए। आपातकालीन स्थितियों के लिए अग्निशमन कर्मियों और अग्निशामक यंत्रों को रणनीतिक रूप से रखा गया।
- चिकित्सा सुविधाएँः पुरी रेलवे स्टेशन पर एम्बुलेंस सेवाओं के साथ-साथ डॉक्टरों, नर्सों और पैरामेडिकल कर्मचारियों से सुसज्जित चिकित्सा सहायता बूथ चौबीस घंटे चालू थे।
- बिजली और पानी की आपूर्तिः त्योहार के दौरान निर्बाध बिजली आपूर्ति और लगातार पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की गई, साथ ही आपात स्थिति के लिए पानी के टैंकर तैयार रखे गए।
- स्वच्छताः रथ यात्रा के दौरान सार्वजनिक उपयोगिता वाले क्षेत्रों में स्वच्छता और सफाई पर विशेष ध्यान दिया गया।
- खानपान और आतिथ्यः पुरी रेलवे स्टेशन पर फूड प्लाजा के अलावा, चाय, नाश्ता, पानी की बोतलें और जनता भोजन की व्यवस्था की गई थी। प्रमुख मार्ग के स्टेशनों पर अतिरिक्त खाद्य स्टॉल संचालित किए गए थे।
- शौचालय और स्नानघरः स्थायी और अस्थायी दोनों मेला शेडों में पर्याप्त शौचालय और स्नानघर की सुविधा प्रदान की गई थी।
- यात्री सहायता डेस्कः यात्रियों को मार्गदर्शन करने, ट्रेन के शेड्यूल, यात्री सुविधाओं और रथ यात्रा के अनुष्ठानों और समय के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए सहायता डेस्क स्थापित किए गए थे।
- प्रकाश व्यवस्थाः पुरी रेलवे स्टेशन पर रोशनी, पंखे और अन्य यात्री सुविधाओं के निरंतर संचालन के लिए निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पर्याप्त व्यवस्था की गई थी।

भारतीय रेलवे को शुभ रथ यात्रा उत्सव के दौरान पुरी की यात्रा करने वाले यात्रियों से प्राप्त अत्यधिक सकारात्मक प्रतिक्रिया को साझा करने में खुशी हो रही है। भारतीय रेलवे द्वारा प्रदान की गई व्यापक व्यवस्था और सुविधाओं की देश के विभिन्न भागों से आए श्रद्धालुओं ने बहुत सराहना की है। गुजरात से आए एक यात्री श्री शैलेंद्र रत्नाकर कुले ने बताया, ''मैं रथ यात्रा को देखकर आश्चर्यचकित था। रेलवे प्रशासन ने भीड़ प्रबंधन, पुरी स्टेशन पर उपलब्ध कराई गई सुविधाओं और साफ-सफाई का पूरा ध्यान रखा।''

''हम तीन दिनों से यहाँ हैं। रेलवे द्वारा स्टेशन क्षेत्रों में उपलब्ध कराई गई सुविधाएँ सराहनीय हैं। हमने मेला शेड में विश्राम किया और हमें नहाने और शौचालय में कोई परेशानी नहीं हुई। रेलवे प्रशासन द्वारा निःशुल्क भोजन की भी व्यवस्था की गई थी। मोबाइल चार्जिंग, पंखे की उपलब्धता और अन्य सुविधाओं के प्रावधान ने सुनिश्चित किया कि हमें कोई परेशानी न हो। हम हर साल रथ यात्रा देखने आएँगे और रेलवे की व्यवस्थाओं को कभी नहीं भूलेंगे'', बलांगीर से आए एक जोड़े ने बताया।

''हम राजस्थान से रथ यात्रा देखने आए हैं। पुरी पहुँचने से पहले हमें आश्रय की चिंता थी, लेकिन रेलवे द्वारा उपलब्ध कराए गए आश्रय ने हमारी चिंता कम कर दी। सुरक्षा सुविधाओं सहित व्यवस्था बहुत बढ़िया तरीके से की गई थी'', मेला शेड में आश्रय ले रही राजस्थान की एक महिला यात्री ने बताया।

''रेलवे द्वारा उपलब्ध कराई गई सुविधाएँ सराहनीय हैं। चार्जिंग पॉइंट से लेकर एक ही छत के नीचे कई अन्य व्यवस्थाएँ, सब कुछ अच्छी तरह से प्रबंधित किया गया था। अतिरिक्त बुकिंग काउंटर, पंखे, सफाई, शौचालय, सुरक्षा व्यवस्था, सूचना प्रणाली, डिस्प्ले वॉल, पेयजल और चिकित्सा सुविधाएँ सभी उपलब्ध थीं। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए बहुत अच्छा प्रयास किया है'', कटक के एक यात्री ने कहा।

श्रद्धालुओं/तीर्थयात्रियों से मिली सकारात्मक प्रतिक्रिया रथ यात्रा में शामिल होने वाले सभी श्रद्धालुओं के लिए एक आरामदायक और सुरक्षित अनुभव सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रेलवे द्वारा समर्पण और सावधानीपूर्वक योजना को रेखांकित करती है।

भारतीय रेलवे सभी यात्रियों के लिए निर्बाध और आरामदायक यात्रा अनुभव प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, जिससे रथ यात्रा जैसे महत्वपूर्ण आयोजनों की सफलता सुनिश्चित होती है। लागू किए गए व्यापक उपाय बड़े पैमाने पर तीर्थयात्रियों के आवागमन के प्रबंधन में भारतीय रेलवे के समर्पण और दक्षता को उजागर करते हैं।

महाप्रबंधक की मंडल रेल प्रबंधकों एवं विभागाध्यक्षों के साथ कार्य समीक्षा बैठक।

सूत्र/रे.स.ब्यू- श्री अमिताभ, महा-प्रबंधक-उत्तर पश्चिम रेलवे की अध्यक्षता में प्रधान कार्यालय में उत्तर पश्चिम रेलवे की कार्य समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं चारों मंडलों के मंडल रेल प्रबंधक उपस्थित थे। बैठक में रेलवे बोर्ड के पूर्व अध्यक्ष श्री अश्विनी लोहानी ने भी संबोधित किया। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी कैप्टन शशि किरण के अनुसार बैठक में महाप्रबंधक श्री अमिताभ ने अमृत स्टेशन योजना के अंतर्गत पुनर्विकसित किये जा रहे स्टेशनों के कार्य की प्रगति की जानकारी ली, एवं सभी कार्य लक्षित समय में पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसी के साथ टिकट चेकिंग आय बढ़ाने के लिए नियमित ड्राइव चलाने, जनता की शिकायतों के शीघ्र समाधान के लिए सभी मंडलों एवं मुख्यालय स्तर पर स्थापित वॉर रूम पर 24*7 मॉनिटरिंग करने पर बल दिया। महाप्रबंधक महोदय ने गैर किराया राजस्व बढ़ाने, संरक्षा में बढ़ोतरी हेतु समपार फाटकों के स्थान पर स्वीत ROB/LH के कार्य पूर्ण करने, सभी बुकिंग काउंटरों पर डिजिटल लेनदेन हेतु QR कोड लगाने के साथ ही गति शक्ति टर्मिनलों के कार्यों में तेजी लाने के निर्देश प्रदान किए। बैठक में दिनांक **17.07.24** को नई दिल्ली एयरपोर्ट पर एक 60 वर्षीय बुजुर्ग को हार्ट अटैक आने पर तुरंत सीपीआर देकर जान बचाने वाली रेलवे की डॉ. प्रिया गर्ग को भी सम्मानित किया गया।

रेलवे जीएम की अध्यक्षता में नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति की बैठक संपन्न।

सूत्र/पमरे- नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, कार्यालय-02, जबलपुर की 14वीं छः माही बैठक दिनांक 24.07.2024 को समिति अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में श्रीमती शोभना बंदोपाध्याय ने कहा कि नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति, जबलपुर की इस 14वीं बैठक में आप सभी समिति सदस्यों का हार्दिक स्वागत करती हूँ। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की राजभाषा संबंधी नीतियों का अनुपालन करना हमारा संवैधानिक उत्तरदायित्व है। जिसे आपसी विचार-विमर्श से प्रभावी रूप से पूरा किया जा सकता है। उन्होंने उपस्थित विभिन्न केंद्रीय कार्यालयों के प्रशासनिक प्रमुखों एवं अन्य अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि आजकल अधिकांश सरकारी कामकाज ई-ऑफिस के माध्यम से किया जा रहा है। इलेक्ट्रॉनिक प्लेटफॉर्म पर हिंदी में काम करना अब बहुत ही सरल एवं सहज हो गया है। हमारे अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राजभाषा अधिनियम, नियमों एवं भारत सरकार के अद्यतन आदेशों/परिपत्रों आदि की जानकारी हो, कार्यालयों में राजभाषा नियमों एवं अनुदेशों का बेहतर अनुपालन सुनिश्चित हो इसके लिए सभी कार्यालयों में नियमित रूप से हिंदी कार्यशालाओं का आयोजन किया जाए। उन्होंने आगे अपने संबोधन में कहा कि भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालयों एवं विभागों द्वारा सरकारी कामकाज राजभाषा हिंदी में करने के लिए विभिन्न प्रोत्साहन एवं पुरस्कार योजनाएं लागू की गई हैं। आप अपने अधिकारियों/कर्मचारियों को इनमें सहभागिता करने के लिए प्रेरित करें। इससे दैनिक सरकारी कामकाज में राजभाषा हिंदी की प्रगति निश्चित रूप से और बढ़ेगी। उन्होंने पश्चिम मध्य रेल को रेल मंत्रालय का राजभाषा स्वर्ण एवं रजत पदक सहित गद्य, पद्य तथा तकनीकी तीनों विधाओं में पुरस्कार प्राप्त होने पर खुशी जाहिर की और इसके लिए बधाई दी। उन्होंने गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा 14 एवं 15 सितंबर, 2024 को भारत मंडपम, नई दिल्ली में आयोजित चतुर्थ अखिल भारतीय राजभाषा सम्मेलन में सभी सदस्य कार्यालयों को अवश्य रूप से भाग लेने को कहा। बैठक में पश्चिम मध्य रेल के प्रमुख मुख्य विद्युत इंजीनियर एवं मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री अमरेंद्र कुमार, उप मुख्य राजभाषा अधिकारी श्री महेश कुमार सहित विभिन्न केंद्रीय कार्यालयों के कार्यालय प्रमुख, प्रतिनिधि अधिकारी/कर्मचारी उपस्थित थे। बैठक का संचालन पश्चिम मध्य रेल के राजभाषा अधिकारी श्री राज रंजन श्रीवास्तव ने किया तथा श्री संतलाल मर्सकोले, राजभाषा अधिकारी, मुख्यालय, पश्चिम मध्य रेल, जबलपुर ने समिति अध्यक्ष, मुख्य राजभाषा अधिकारी, समिति सदस्यों एवं अन्य अधिकारियों/कर्मचारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

रेजिमेनल थेरेपी में नवाचार पर एक दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

सूत्र/रे.स.ब्यू- रेजिमेनल थेरेपी में नवाचार पर आज (18 जुलाई, 2024) एक दो-दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी (पारंपरिक तरीकों को समकालीन अनुसंधान के साथ जोड़ कर) का उद्घाटन कश्मीर विश्वविद्यालय, श्रीनगर में किया गया। इस संगोष्ठी का आयोजन क्षेत्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान संस्थान, श्रीनगर द्वारा किया जा रहा है, जो केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद नई दिल्ली, आयुष मंत्रालय, केंद्र सरकार का एक परिधीय संस्थान है। इस उद्घाटन सत्र के दौरान, सीसीआरयूएम द्वारा सीएसआईआर- आईआईआईएम, जम्मू-कश्मीर और एसकेआई एमएस, श्रीनगर के साथ दो समझौता ज्ञापनों पर भी हस्ताक्षर किए गए। कुलपतियों और एसकेआईएमएस के निदेशक, दोनों, ने यूनानी चिकित्सा के अनुसंधान और विकास के क्षेत्र में सीसीआरयूएम के साथ सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की। डॉ एन. जहीर अहमद, महानिदेशक, सीसीआरयूएम, नई दिल्ली ने इस उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की। प्रोफेसर निलोफर खान, कुलपति, कश्मीर विश्वविद्यालय विशेष अतिथि थे, प्रो. शकील अहमद रामशू, कुलपति, आईयूएसटी अवंतीपोरा विशिष्ट अतिथि थे और प्रो. एम. अशरफ गनी, निदेशक, एसकेआईएमएस, श्रीनगर उद्घाटन समारोह में सम्मानित अतिथि थे। संगोष्ठी का उद्देश्य रेजिमेनल थेरेपी को बेहतर बनाना है, जो यूनानी चिकित्सा का एक मुख्य घटक है और ये समग्र स्वास्थ्य के लिए जीवन शैली बदलावों और भौतिक उपचारों पर बल देता है। अपनी समृद्ध विरासत के साथ यूनानी चिकित्सा ने लंबे समय से मालिश, कपिंग, व्यायाम और आहार नियमों जैसी तकनीकों का उपयोग किया है, जो स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के लिए इलज बित तदबीर के अंतर्गत आता है। अपने अध्यक्षीय भाषण में, डॉ . एन. जहीर अहमद ने यूनानी चिकित्सा की एक महत्वपूर्ण आहार चिकित्सा हिजामा पर एसओपी के विकास पर रोशनी डाली और रेजिमेनल थेरेपी पर इस संगोष्ठी के आयोजन के महत्व पर जोर दिया और सीसीआरयूएम की हाल की पहलों पर प्रकाश डाला।

आयुष मंत्रालय, भारत सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन के मध्य डोनर एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर

भारत WHO ग्लोबल पारंपरिक चिकित्सा केंद्र (GTMC) जामनगर, गुजरात के संचालन के लिए 10 वर्षों (2022-2032) की अवधि में 85 मिलियन अमेरिकी डॉलर दान करेगा।

सूत्र/रे.स.ब्यू- आयुष मंत्रलय, भारत सरकार और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जिनेवा में डब्ल्यूएचओ मुख्यालय में 31.07.2024 को भारतीय समय के अनुसार 01:00 बजे आयोजित एक हस्ताक्षर समारोह के दौरान एक डोनर एग्रीमेंट पर हस्ताक्षर किए। इस समझौते में डब्ल्यूएचओ ग्लोबल ट्रेडिशनल मेडिसिन सेंटर (जीटीएमसी) जामनगर की गतिविधियों को संचालित करने की वित्तीय शर्तों की रूपरेखा सम्मिलित है, समझौते पर आयुष मंत्रालय की ओर से संयुक्त राष्ट्र में भारत के स्थायी प्रतिनिधि श्री अरिंदम बागची ने हस्ताक्षर किए और डब्ल्यूएचओ की ओर से डॉ. ब्रूस एलवर्ड सहायक महानिदेशक यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज लाइफ डब्ल्यूएचओ ने हस्ताक्षर किए। आयुष मंत्रालय के सचिव वैद्य राजेश कोटेचा ने इस कार्यक्रम में अपनी वर्चुअल भागेदारी दर्ज की । कार्यक्रम का संचालन WHO GTMC की निदेशक (अस्थायी) डॉ. श्यामा कुरुविला ने किया और डॉ. रजिया पेंडसे डब्ल्यूएचओ की महानिदेशक की ओर से धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया। इस सहयोग के तहत, भारत 10 वर्षों (2022-2032) की अवधि में डब्ल्यूएचओ ग्लोबल पारंपरिक चिकित्सा केंद्र के संचालन के लिए 85 मिलियन अमेरिकी डॉलर दान करेगा। यह डोनर समझौता डब्ल्यूएचओ ग्लोबल पारंपरिक चिकित्सा केंद्र की स्थापना को एक प्रमुख ज्ञान केंद्र के रूप में मान्यता

देता है । इसका उद्देश्य पारंपरिक, पूरक और एकीत चिकित्सा (TCIM) को साक्ष्य आधारित माध्यमों से आगे बढ़ाना है जिससे जान सामान्य और वैश्विक स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार हो सके। यूनियन कैबिनेट की मंजूरी के साथ, 25 मार्च 2022 को भारत सरकार के आयुष मंत्रालय और डब्ल्यूएचओ के बीच एक होस्ट कंट्री समझौता साइन किया गया था जिसमें डब्ल्यूएचओ ग्लोबल पारंपरिक चिकित्सा केंद्र जामनगर, गुजरात की स्थापना को मंजूरी दी गई थी। यह केंद्र पारंपरिक चिकित्सा के लिए वैश्विक स्तर पर एकमात्र आउट-पोस्टेड केंद्र है। डब्ल्यूएचओ-जीटीएमसी का अंतरिम कार्यालय पहले से ही कार्यरत है जो इसके निर्धारित उद्देश्यों के अनुसार क्षमता निर्माण और प्रशिक्षण कार्यक्रम विकसित कर रहा है। इन कार्यक्रमों में कैंपस आधारित, आवासीय या वेब आधारित प्रशिक्षण शामिल होंगे जो डब्ल्यूएचओ अकादमी और अन्य रणनीतिक साझेदारों के साथ मिलकर संचालित किये जाएंगे। आयुष मंत्रालय ने डब्ल्यूएचओ के साथ विभिन्न मोर्चों पर सहयोग किया है, जिसमें आयुर्वेद, यूनानी और सिद्धा प्रणालियों के प्रशिक्षण और प्रैक्टिस के लिए बेंचमार्क दस्तावेजों का विकास, इन प्रथाओं के लिए डब्ल्यूएचओ की शब्दावली का निर्माण, अंतर्राष्ट्रीय रोगों की वर्गीकरण-11 में पारंपरिक चिकित्सा अध्याय में एक दूसरा मॉड्यूल का परिचय, M&Yoga जैसी ऐप्स का विकास और अंतर्राष्ट्रीय हर्बल मेडिसिन फार्माकोपिया (IPHM) के लिए समर्थन शामिल है। इन सहयोगात्मक प्रयासों के साथ-साथ डब्ल्यूएचओ-जीटीएमसी की भूमिका भारत को पारंपरिक चिकित्सा को वैश्विक मंच पर स्थापित करने में मदद करेगी।

एमडीएनआईवाई ने योग एवं आहार पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया।

सूत्र/रे.स.ब्यू- मोरारजी देसाई राष्ट्रीय योग संस्थान (एमडीएनआईवाई) ने जयपुर के राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान (एनआईए) के पूर्व प्रोफेसर एवं सम्मानित वैद्य प्रोफेसर कमलेश कुमार शर्मा द्वारा योग एवं आहार के महत्व पर एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया। इस व्याख्यान में एमडीएन आईवाई के निदेशक डॉ . काशीनाथ समागंडी भी उपस्थित थे। आयुर्वेदिक चिकित्सा के प्रसिद्ध विशेषज्ञ, वैद्य प्रोफेसर शर्मा ने छांदोग्य उपनिषद का उल्लेख करते हुए कहा, ''अन्न साक्षात ईश्वर है। यह ईंधन है लेकिन अन्न को लेकर हमारी दृष्टि भी महत्वपूर्ण है। जब आहार संतुलित तरीके से ग्रहण किया जाता है और आहार के लक्ष्य पूरे होते हैं तभी योग पूरा होता है।'' उन्होंने आहार से संबंधित महत्वपूर्ण पहलुओं जैसे - कब भोजन करना है, भोजन में क्या लेना है, कितना खाना है और किस प्रकार खाना है, के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा, ''तीन बार भोजन का आहार हमारे शरीर के लिए बेहद लाभदायक है। पहला भोजन सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे के बीच, दूसरा भोजन शाम शुरू होने से पहले और रात का भोजन रात के शुरुआती घंटों में होना चाहिए। प्रोफेसर कमलेश कुमार शर्मा ने योगाभ्यास के लाभों को बढ़ाने में संतुलित आहार के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि उचित पोषण शरीर के संतुलन को बनाए रखने और योग आसन की प्रभावशीलता को अधिकतम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। अपने संबोधन में, डॉ . काशीनाथ ने आहार के महत्व पर जोर देते हुए कहा, ''भगवद्गीता के अनुसार, हमें योगासन के साथ-साथ अपने आहार एवं जीवनशैली पर भी ध्यान देना चाहिए क्योंकि आहार ही जीवित रहने का प्रमुख कारक है। जब हम आचार-विचार और आहार-विहार का ध्यान रखते हैं, तो हम योगासन, प्राणायाम और योग निद्रा जैसी योग क्रियाओं के माध्यम से योग के लक्ष्यों को पूरा कर सकते हैं।''योग चिकित्सकों और विद्यार्थियों सहित सभी प्रतिभागी एक सार्थक सत्र में शामिल हुए, जहां उपस्थित लोगों ने विशेषज्ञ द्वारा साझा की गई मूल्यवान अंतदृष्टि और व्यावहारिक युक्तियों की सराहना की।

संपादकीय

''विकसित भारत'' की ओर बढ़ता कदम''

हर साल 15 अगस्त को स्वतंत्रता दिवस के रूप में मनाने का महत्व सिर्फ अतीत के संघर्षों को याद करने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह दिन हमें भविष्य की चुनौतियों और अवसरों की ओर भी ध्यान केंद्रित करने का अवसर देता है। इस वर्ष 2024 का स्वतंत्रता दिवस विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसकी थीम 'विकसित भारत' है। यह थीम देश की वर्तमान और भविष्य की दिशा को दर्शाती है, जहां हम एक आत्मनिर्भर, सशक्त, और समृद्ध भारत के निर्माण की ओर अग्रसर हैं।

'विकसित भारत' का सपना सिर्फ आर्थिक समृद्धि तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक न्याय, शिक्षा, स्वास्थ्य, और प्रौद्योगिकी के क्षेत्रों में भी समग्र विकास का लक्ष्य रखा गया है। सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में 'मेक इन इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', और 'आत्मनिर्भर भारत' जैसे अभियानों के माध्यम से देश को विकास के पथ पर तेजी से आगे बढ़ाया है। इन अभियानों का उद्देश्य न केवल देश को आत्मनिर्भर बनाना है, बल्कि उसे वैश्विक स्तर पर एक मजबूत और प्रभावशाली शक्ति के रूप में स्थापित करना भी है। इस स्वतंत्रता दिवस पर 'विकसित भारत' की थीम हमें यह संदेश देती है कि स्वतंत्रता केवल एक राजनीतिक अधिकार नहीं है, बल्कि यह आर्थिक, सामाजिक, और सांस्कृतिक विकास के लिए भी आवश्यक है। जब हर नागरिक के पास शिक्षा, स्वास्थ्य, और रोजगार के समान अवसर होंगे, तभी हम वास्तविक रूप से 'विकसित भारत' के लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। इस दिशा में, हर भारतीय का योगदान आवश्यक है। यदि हम सभी मिलकर इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए कार्य करें, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत विश्व मंच पर एक पूर्ण विकसित राष्ट्र के रूप में खड़ा होगा। आइए, हम सभी मिलकर इस संकल्प को साकार करें और एक सशक्त, विकसित और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण करें।

> योग एक प्राचीन भारतीय विधा है जो शारीरिक, मानसिक, और आत्मिक संतुलन को बढ़ावा देती है। योगासन और प्राणायाम के माध्यम से व्यक्ति तनावमुक्त रहता है और शारीरिक स्वास्थ्य में सुधार होता है। आज योग वैश्विक स्तर पर अपनाया जा रहा है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि योग का महत्व केवल शारीरिक ही नहीं, बल्कि मानसिक और आत्मिक विकास में भी है।

Shri Manish Kumar Gupta Takes Charge as Divisional Railway Manager of Malda Division

Source/RSB- Shri Manish Kumar Gupta has officially assumed the role of Divisional Railway Manager (DRM) on Malda, July 22, 2024 for the Malda Division, succeeding Shri Vikas Chaube who has relinquished the position. Shri Gupta, an experienced railway professional, brings a wealth of expertise to the role. Shri Chaube's tenure has been marked by significant contributions to the division. The transition underscores a continued commitment to enhancing railway services and operations in the region. Both officials' dedication is expected to foster progress in the Malda Division's railway sector.

GENERAL MANAGER REVIEWS PERFORMANCE OF NORTHERN RAILWAY

Source/NR- Sh. Shobhan Chaudhuri, General Manager Northern Railways held a performance review meeting with the departmental heads of Northern Railway and DRMs. The meeting, which took place at Baroda House focused o¬n enhancing safety protocols and ensuring the highest standards of safety for both employees and passengers. Apart from performance review, the GM also presented Safety Awards to 5 vigilant employees for their contribution towards maintain high standards for safety and security of passengers and railway property. During the meeting, he emphasized o¬n improving the maintenance standards of tracks, level crossings and construction of boundary walls along the track in high speed sections. Heavy rains during the monsoon pose difficulty in train operations. All divisions were advised to take remedial actions against water logging and silt accumulation o¬n tracks. They were also instructed to expedite approvals for tree cutting wherever needed from the Forest Department so that these do not pose a threat to the tracks or OHE wires. Further, the GM guided that visual examination and lubrication of rail joints and welds should also be completed o¬n priority. Status of maintenance of track, welds of joints and signaling systems discussed in detail. The status of various important construction projects of Doubling and New lines was reviewed and officials were directed to expedite the work. Northern Railway is committed to provide safe, smooth and efficient services to its customers.

Measures taken by Indian Railway during the monsoon to ensure proper functioning of signalling system

Source/PIB- There is an established system of inspection of Railway Bridges and tracks on Indian Railways. The inspection of the Railway track is undertaken by designated officials at a specified frequency. In addition to prescribed schedule for regular maintenance following measures are taken during monsoon to ensure proper functioning of signaling system:-

(I) Drainage system in yards is improved by cleaning of yard drains.
(ii) Identified vulnerable locations for failure of track circuits are attended in advance.
(iii) Joint inspection of points & track circuits are conducted by track & signaling officials and remedial measures are taken.
(iv) Axle counter is provided in identified areas vulnerable for water logging.

Special precautions such as the introduction of monsoon patrolling in identified sections, deployment of watchmen at vulnerable locations, special patrolling of track in case of heavy rains are taken during monsoon. Coordination is done with concerned Regional Meteorological Centres for updated weather information and with District authorities for getting information regarding release of excess water from reservoirs/dams.

This information was given by the Minister of Railways, Information & Broadcasting and Electronic & Information Technology, Shri Ashwini Vaishnaw in a written reply to a question in Lok Sabha on 24.07.2024.

General Manager, Southern Railway conducts Comprehensive Inspection of Railway Hospital, Perambur

Source/SR- Shri. R. N. Singh, General Manager, Southern Railway, conducted a comprehensive inspection of the Railway Hospital at Perambur on 22nd July 2024. The General Manager was accompanied by Shri. Amit Kumar Manuwal, Chief Administrative Officer, Construction/ Egmore, Southern Railway; Dr. C.M. Ravi, Principal Chief Medical Director, Southern Railway; Dr. Nirmala Rajaram, Principal Chief Medical Director, Perambur Railway Hospital; Dr. S. Kalyani, Medical Director/RH/PER; Shri. N. Balaji, Chief Electrical Engineer/Construction/ Egmore and other senior officials. The General Manager stated that the new Railway Hospital at Perambur plays a crucial role in providing advanced healthcare services to railway employees and their families. Lauding the efforts of the medical fraternity at the hospital, the General Manager added that the institution focuses on enhancing patient care through modern facilities and streamlined processes.

Key Highlights of GM Inspection

OPD Block Improvements

The General Manager instructed the Engineering department to enhance the frontage with Alco Panel/Stone cladding and painting. Emphasis was placed on installing digital signboards across all OPD clinics to streamline patient flow. Instructions were given for the placement of self-registration kiosks and additional seating arrangements in the canteen area.

Telemedicine Integration

The GM directed the implementation of telemedicine facilities between the New Railway Hospital, Perambur, and Divisional Hospitals within the Southern Railway Zone. This initiative aims to optimize patient care and reduce waiting times. The integration of telemedicine will ensure that specialized medical expertise is accessible across our divisional hospitals, benefiting patients with timely and efficient healthcare solutions.

Infrastructure Upgrades

The GM inspected the Radiology Department and Modular Operation Theatres, emphasizing the installation of advanced equipment and ensuring operational efficiency. Discussions were held regarding the establishment of a dedicated Cardio Thoracic Theatre and the expansion of the Cath Lab facilities.

Digital Transformation

The GM endorsed the shift towards paperless operations and digital record-keeping, enhancing administrative efficiency and patient care management. tree plantation drive was conducted after the inspection, underscoring Southern Railway's commitment to environmental conservation. The Southern Railway continues to prioritize the modernization and expansion of healthcare infrastructure to meet the growing demands of its beneficiaries.

पाठकों से अनुरोध

विगत वर्षों की भाँति आगामी वर्ष के लिए अपनी रेल समाचार ब्यूरो पत्रिका को सुरक्षित करने के लिए वार्षिक सद्स्यता शुल्क शीघ्र भेजने की क पा करें, जिससे उक्त पत्रिका आपको नियमित भेजी जा सके।

सहयोग राशि:

१. उच्चतम अधिकारी-5000 रु. मात्र
२. उच्च अधिकारी- 3500 रु. मात्र
३. अधीनस्थ अधिकारी-2500 रु. मात्र
४. रेलकर्मी/अन्य सदस्य-1000 रु. मात्र

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव

पंजिक त कार्यालय

502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

कैंप कार्यालय- अनिल केन (रिर्पोटर) कार्यालय 8436 आर्य नगर पहाड़गंज दिल्ली-55

समस्त प्रकार के कानूनी मामलों का न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा

सम्पादक, प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी ज्ञानेन्द्र कुमार श्रीवास्तव दि. इलाहाबाद ब्लांक वर्क्स प्रा. लि. 329/255 चक. जीरो रोड इलाहाबाद से मुद्रित एवं 502 पंचशीला भवन त्रिवेनी रोड, नेतानगर, कीडगंज प्रयागराज-211003 से प्रकाशित।

आर.एन. आई नं. 51097-90

पोस्ट ए.डी.-8

मो. **9793956044, 9935224867**

फोन नं. **0532-2418040**

पाठको से अनुरोध

आपको यह अंक कैसा लगा ? इसमें आप और क्या परिवर्तन चाहते हैं ?

क पया अपने सुझावों से अवश्य ही अवगत कराएं जिससे हम पत्रिका में सुधार कर सकें। हमें आपके सुझाव का इंतजार रहेगा।

प्रधान संपादक

Indian Railways: A Pillar of Post-Independence India

Since independence, Indian Railways has been vital in shaping modern India. It has facilitated economic growth, connected remote regions, and supported national integration. By expanding its network and upgrading technology, it has driven industrial development and regional connectivity. Indian Railways remains a crucial component in India's infrastructure, reflecting the nation's progress and unity through its relentless service & innovation.

Scan the Code for the Latest Verified
RAILWAYS NEWS ON OUR WEBSITE OR E-PAPER
हमारी वेबसाइट या ई-पेपर पर भारतीय रेलवे के सत्यापित समाचार को पढ़ने के लिए कोड को स्कैन करें

SCAN QR

www.railsamacharbureauald.com

Ms. K. Padmaja, IRTS Takes Charge as Principal Chief Commercial Manager, South Central Railway

Source/SCR- Ms. K. Padmaja has taken charge as Principal Chief Commercial Manager (PCCM), South Central Railway on 25th July, 2024 at Rail Nilayam, Secunderabad. Belonging to the 1991 batch of Indian Railways Traffic Service, she is notably the first woman PCCM on South Central Railway. The new PCCM holds a bachelor's degree in Science and Education and was previously working as Chief Transportation Planning Manager, SCR. During an illustrious career spanning over 30 years with Indian Railways, Ms. Padmaja has held several key positions across South Central Railway. These include Assistant Commercial Manager (ACM) in Hyderabad Division; Assistant Traffic Manager (ATM) & Divisional Operations Manager (coal & goods), Secunderabad Division; Sr. Divisional Safety Officer, Guntakal Division; Dy. Chief Commercial Manager, PRS; Sr. Divisional Commercial Manager and Sr. Divisional Operations Manager, Secunderabad Division. At Head-quarters, the roles encompassed Dy. Chief Operations Manager/Coaching; Chief Traffic Manager, General; Chief Passenger Traffic Man-ager; Chief Freight Traffic Manager & Chief Commercial Manager, Passenger services. The long Railway service also included positions as Advisor (Transport) /Godavari Fertilizers Co. Ltd & General Manager, CONCOR, Hyderabad. Additionally, she holds positions such as State Commissioner, Guides, SCR; Secretary, Handball, SCR; President, SCR Lalita Kala Samiti, Secunderabad and Vice President, SCR Officers Association.

WR'S ENDEAVOUR TO A SAFE & SMOOTH TRAIN OPERATIONS

Source/WR- KAVACH is an Automatic Train Protection (ATP) system indigenously developed by Indian Railways through Research Designs & Standards Organization (RDSO). The KAVACH assists the loco pilots in running trains within specified speed limits by automatic application of brakes in case the Loco Pilot fails to do so and also helps to run the train safely during inclement weather. According to a press release issued by The Chief Public Relations Officer of Western Railway, the KAVACH system has been designed by RDSO for enhancing the speed of trains up to 200 kmph. This tech-nology will enable trains to run at the permissible speed. It will assist the loco pilots in preventing Signal Passing at Danger (SPAD) and enable continuous speed supervision. The signal aspect and continuous movement authority will be displayed in the loco pilot's cab, which will provide protection against collision. Over Western Railway, the work of KAVACH system is being undertaken on 789 km with 90 locos. Loco trials have been successfully carried out for 405 km out of total 789 km and 60 out of 90 locos have been provided with this technology. Western Railway has set the target of commissioning 735 km in this FY 2024-25. Over Virar-Surat-Vadodara (Automatic Signalling) section, 201 km out of 336 km has been completed, while over Vadodara-Ahmedabad (Automatic Signalling) section, loco trials of Kavach System of 96 km have been completed successfully. Over Vadodara-Ratlam-Nagda (Non Automatic Signalling) section, 108 km out of 303 km has been completed and final testing as well as commissioning work is in progress. Similarly, the contract has been awarded for Mumbai Central - Virar Suburban (Automatic Signalling) section comprising 54 km & work of survey is in progress. The indigenously developed KAVACH technology aims to help the Indian Railways achieve the goal of 'zero accident'. This system conforms to CENELEC standards EN50126, 50128, 50129 and 50159 (SIL-4).

Central Railway uses ultra- modern boroscopic cameras to trace dead rodents in the remotest corners of the Suburban Running room and fumigate the place

Source/CR- Central Railway has used two ultra-modern boroscopic cameras to trace dead rodents in the remotest corners of the Suburban Running Room. This was done in response to complaints of foul stench in the suburban running room. Upon receipt of the complaint, the housekeeping staff was immediately deployed to check the area of origin of the smell. Tracing dead rats and disposal: Two boroscopic cameras were arranged to scan the ceiling area which was not accessible by the naked eye. The complete area was scanned in a phased manner, and many dead rats were found with the help of these cameras. The ceiling panel thus identified was broken, and dead rats were removed. Some dead rats were found behind the false ceiling near the toilet and washroom area of the suburban lobby. The dead rats were removed and disposed of immediately. Dead rat samples and water samples were also sent to the lab for testing. Temporary relocation of crew: The entire suburban crew of Motormen, Train Managers, and crew control staff working in the area were temporarily shifted.

Seating arrangements for Motormen and Train Managers of the suburban lobby were arranged near the open space in front of the lobby with basic arrangements such as:

- Enclosed area on the platform for the privacy of the crew,
- Storage rack to keep belongings of crews,
- Water dispensers for drinking water and refreshments for the crew,
- Pedestal fans provided for airflow and comfort to crew waiting for their train as per schedule,
- CMS kiosk machine installed for crew for hassle-free sign-on/off and duty booking,
- A temporary space on the ground floor near platform no. 6 was identified for dining arrangements for crew.

Cleaning and fumigation of lobby area:

- Deep cleaning of the suburban lobby area including the canteen was done,
- Robotic cleaning of all the AC ducts in the lobby was done with suction machines with provision of videography,
- The entire place was fumigated with pesticides and sterilized.

The Running Staff, consisting of Loco Pilots, Motormen, and Train Managers, is one of the most important parts of the Railway workforce involved in running trains. Central Railway is committed to providing the best facilities to this workforce to ensure diligent & efficient working and safe & smooth running of trains.

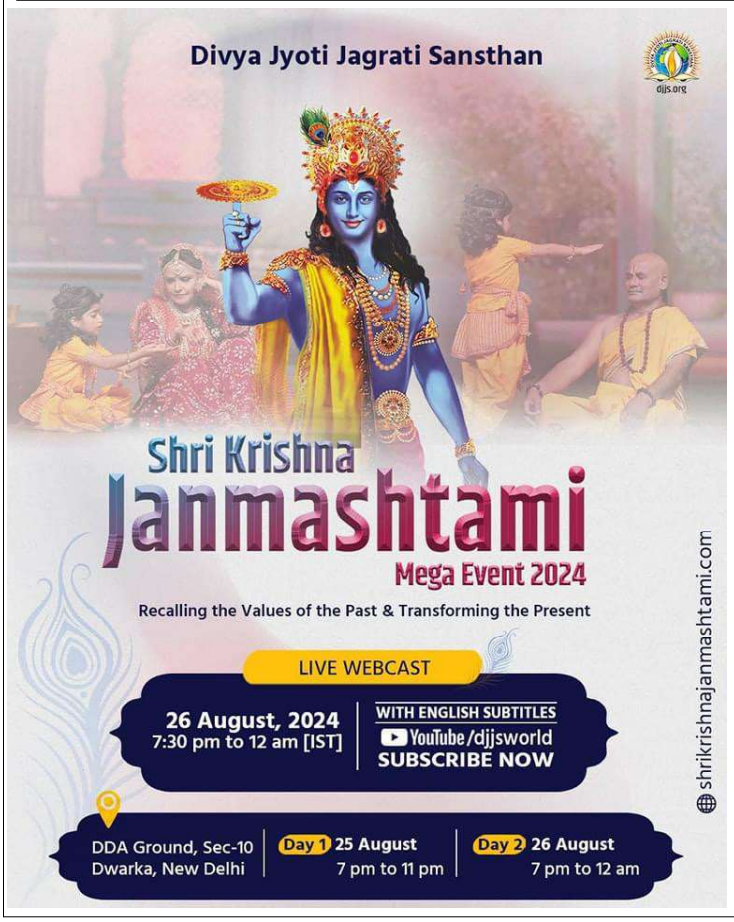

WESTERN RAILWAY HOSTED 64TH ALL INDIA RAILWAY AQUATIC CHAMPIONSHIP AT MAHALAXMI SPORTS COMPLEX, MUMBAI

Source/WR- Western Railway Sports Association (WRSA) hosted the 64th All India Railway Aquatic Championship 2024 at Mahalaxmi Sports Complex, Mumbai. Team WR swept the aquatic cham-pionship with multiple team wins and also in individual championships. The Diving Team of Western Railway won the first position, while WR's Swimming and Water Polo teams won first runner-up. Shri Ashok Kumar Misra – General Manager of Western Railway & Patron of WRSA was the Chief Guest and graced the prize distribution & closing ceremony which was held on 23rd July, 2024. According to a press release issued by The Chief Public Relations Officer of Western Railway, around 200 athletes from across 12 Zonal Railways/Units participated in this championship. The parti-cipants contested in 20 Swi-mming events including relay races, 3 Diving events and Water Polo matches. WR's Diving Team secured the first position, while the men's Swimming Team and Water Polo Team won the runners-up at the championship. WR Swimmer Shri Devansh Parmar secured the highest points in Individual swimming events and won 4 Gold and 1 Silver medals in various events. The Cham-pionship was held under the supervision of 55 officials from Railway Sports Promotion Board (RSPB). It was hosted & organized by Western Railway Sports Association from 19th to 23rd July, 2024. WR's talented sportspersons have achieved new milestones and brought laurels to the organization. Western Railway is proud of its sportspersons & wishes them success in their upcoming events & tournaments.

"Indian Railways: The lifeline of a free India, weaving together the diverse threads of our nation's rich heritage and vibrant future."

Government of India upgrades IRCTC to 'Schedule A' CPSE

Source/RSB- Indian Railway Catering and Tourism Corporation (IRCTC), a Mini-Ratna PSU under Ministry of Railways, is delighted to share the achievement of a prestigious landmark in its 25th year of incorporation by entering into the coveted group of Scheduled 'A' Public Sector Undertakings of Government of India. Ministry of Railways, Government of India, through an office memorandum dated 19th July 2024, announced the upgradation of IRCTC from 'Schedule B' to 'Schedule A' Category, Central Public Sector Enterprises. On this historic occasion, Shri Sanjay Kumar Jain, Chairman & Managing Director of IRCTC stated, "IRCTC's promotion to a 'Schedule A' category PSU is indeed a significant achievement as it signifies IRCTC's robust performance. This recognition reflects positively on IRCTC's management, operations, and its contribution to the hospitality, travel, and tourism sectors under the Ministry of Railways. It's a testament to the hard work and dedication of everyone involved with IRCTC over its 25-year journey." CMD, IRCTC also stated, "We are immensely grateful to Hon'ble Union Minister of Railways, Hon'ble Union Minister of Finance and Corporate Affairs; Hon'ble Union Ministers of State for Railways; Secretary, DPE; Chairman & Chief Executive Officer, Railway Board; Member (Operations and Business Development) and Member (Finance) Railway Board; & other Senior officials of Ministry of Railways and DPE, etc. and thank them for their constant support and invaluable guidance." With a well-diversified and resilient business model, IRCTC has followed a trajectory uniquely rooted in India's growth story. The Company has consistently demonstrated excellent financial performance and earned a total income of ₹1954.48 crores, ₹3661.90 crores and ₹4434.66 crores for Financial Years 2021-22, 2022-23 and 2023-24, respectively, reflecting a CAGR of 50.63% between Fiscal 2022 and Fiscal 2024; Profit after tax of ₹659.55 crores, ₹1005.88 crores and ₹1111.26 crores for 2021-22, 2022-23 and 2023-24, respectively, reflecting a CAGR of 29.80% between Fiscal 2022 and Fiscal 2024; and declared dividends of ₹280 crores, ₹440 crores and ₹520 crores for 2021-22, 2022-23 and 2023-24 respectively.

A 40 meter long bridge over Gorwa - Madhunagar Flyover at Vadodara is completed for Mumbai-Ahmedabad Bullet Train Project on 23rd July 2024

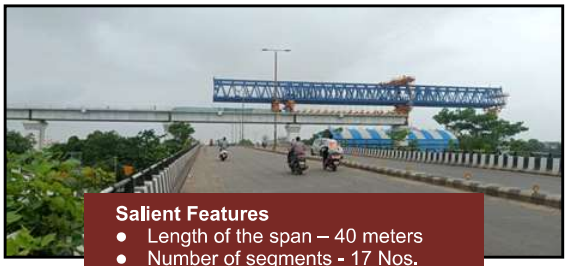

Salient Features
- Length of the span – 40 meters
- Number of segments - 17 Nos.
- Pier height - 18 meters
- Weight of total span: 1078 MT
- Height from the flyover: 8.7 meters
- Width of the flyover - 16 meters

Source/NHSRCL-
- Mumbai-Ahmedabad Bullet Train corridor is crossing over Gorwa - Madhunagar Flyover in Vadodara through elevated viaduct
- The flyover is located at a distance of approx. 4 kms from Vadodara Bullet Train station towards Ahmedabad
- With meticulous planning and precision of execution, the launching over the flyover was completed within the block period of 10 days
- All necessary safety precautions like hard barricading, traffic diversion signages, route diversion information publication, sufficient traffic marshals and lighting in night time etc. were taken into consideration during the launching process in presence of Traffic Police, Vadodara City

DELHI METRO ACCORDS AIRTEL PAYMENTS BANK RIGHTS OF MAINTENANCE & PROCESSING THE DIGITAL PAYMENT SOLUTIONS

Source/DMRC- Unveiled Debit and Pre-paid NCMC enabled cards offered by Airtel Payments Bank In a significant move to enhance digital ticketing solutions, the Delhi Metro Rail Corporation (DMRC) has partnered with Airtel Payments Bank to provide comprehensive digital payment options to its commuters. The partnership grants Airtel Payments Bank the rights to maintain and process digital payment solutions through the National Common Mobility Card (NCMC). This collaboration was announced during a ceremony at the Delhi Metro headquarters, attended by DMRC MD, Dr. Vikas Kumar, Airtel Payments Bank MD & CEO Mr. Anubrata Biswas, and senior officials from both organizations. During the event, Airtel Payments Bank unveiled new Debit and Pre-paid NCMC enabled cards, which will be available at metro stations. These NCMC-enabled cards will facilitate seamless travel across all Delhi Metro lines, including the Airport Express, and can be used nationwide in open-loop transport systems. The cards will also support retail purchases, ATM transactions, and e-commerce activities. Dr. Vikas Kumar highlighted that this partnership aims to offer seamless and hassle-free travel for daily commuters in the National Capital Region. Mr. Anubrata Biswas emphasized that this collaboration aligns with the nation's vision of "One Nation One Card," enhancing customer service and accessibility. By integrating advanced digital payment solutions, DMRC and Airtel Payments Bank are set to revolutionize the commuting experience, ensuring greater convenience and efficiency for millions of passengers daily.

RITES, NHAI collaborate for Comprehensive Consultancy Services

Source/RITES- RITES Ltd., a prime transport infrastructure consultancy, has signed a Memorandum of Understanding (MoU) on 31st July, 2024 with National Highways Authority of India (NHAI), under the Ministry of Road Transport and Highways, Government of India. This partnership aims to deliver consultancy services for NHAI projects in the areas of highways, bridges and tunnels and road safety audits. Under the terms of the MoU, RITES will conduct external technical audits, infrastructure health monitoring, provide quality assurance and other related services.

RailTel Corporation Secures Rs. 186.81 Crore Order from Government

Source/RSB- RailTel Corporation of India Ltd has announced a significant achievement, securing a fresh order from the Ministry of Railways valued at Rs. 186.81 crore (including tax). This contract involves the design, development, implementation, operations, and maintenance of the Hospital Management Information System (HMIS) and Integrated Empanelled Hospital Referral Portal for Indian Railways. The work order underscores RailTel's expertise and commitment to enhancing the digital infrastructure within the railway sector. The HMIS project aims to streamline healthcare services for railway employees and their families, ensuring efficient and transparent medical care. This initiative aligns with the government's vision of leveraging technology to improve public service delivery, positioning RailTel as a pivotal player in the digital transformation of Indian Railways.